भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, खंडवा रोड, इन्दौर-452001

फ़ाइल् क्रमांक. प्रेस नोट/प्रेस व पब्लिसिटी/2021/27 **दिनांक 27.09.2021**

प्रेस नोट

आजादी का अमृत महोत्सव

देश में पहली बार भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान इंदौर द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2021 को उन्नत सोयाबीन किस्मों/नवीनतम तकनिकी पर प्रदर्शन के लिए "लाइव वर्चुअल फील्ड प्रदर्शन कार्यक्रम" का आयोजन

देश की आजादी के 75 वर्षो के उपलक्ष्य में मनाये जा रहे "अमृत महोत्सव" के अंतर्गत दिनांक 27 सितम्बर 2021 को भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान (आई,सी.ए.आर. - आई.आई.एस.आर.) द्वारा देश में पहली बार अपने 'YouTube चैनल' एवं एवं 'फेसबुक पेज' के माध्यम से संस्थान द्वारा अनुसन्धान प्रक्षेत्र का लाइव प्रदर्शन किया गया. इस कार्यक्रम में खरीफ मौसम के दौरान "नवीनतम सोयाबीन प्रजातियाँ एवं उत्पादन तकनिकी" पर कृषकों के अवलोकनार्थ लगाये गए प्रदर्शन प्लाट का लाइव प्रसारण किया गया. इस प्रकार का आयोजन देश में प्रथम बार भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा किया गया जिसकी सोयाबीन कृषकों द्वारा अत्यंत प्रशंसा की जा रही हैं.

इस फील्ड विजिट के प्रारंभ में संस्थान की कार्यवाह निदेशक डॉ. नीता खांडेकर ने कृषको को अपने संबोधन में कहा कि इस "लाइव वर्चुअल विजिट" से कम समय में अधिक से अधिक किसानों तक संस्थान द्वारा विकसित नवीनतम सोयाबीन की किस्मों एवं अन्य तकनिकी को सीधे वास्तविक उपयोगकर्ता के पास ले जाने में सुविधा होगी. उन्होंने यह भी कहाँ की संस्थान द्वारा इस वर्ष जारी की गई नवीन किस्मों की जानकारी को मध्य प्रदेश के अधिक से अधिक कृषकों में फैलाव हेतु संस्थान द्वारा एक रणनीति बनायीं जा रही हैं जिससे अधिक उत्पादन क्षमता एवं कीट/रोग रोधी विशेष रूप से पीले मोज़ेक वायरस की प्रतिरोधी किस्मों को अगले वर्ष तक भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा कृषकों को उपलब्ध करवाने हेतु प्रयास किये जायेंगे.

भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान के अनुसन्धान प्रक्षेत्र पर लगभग 1 हेक्टेयर क्षेत्र पर इस वर्ष देश के विभिन्न क्षेत्रों/राज्यों के लिए अनुशंषित, इसी वर्ष जारी की गई, कुल 9 सोयाबीन नई किस्मों (एन.आर.सी. 127, एन.आर.सी. 128, एन.आर.सी. 130, एन.आर.सी. 138, एन.आर.सी. 142, आर.वी.एस.एम. 2011-35, आर.एस.सी. 10-46, आर.एस.सी. 10-52, तथा ए.एम.एस. 100-39) को विभिन्न क्षेत्रों से नई तकनिकी को जानने एवं देखने के लिए प्रदर्शन के रूप में लगाया गया हैं, जिसकों कोरोना संक्रमण के कारण कृषकों को संस्थान आने में हो रही कठिनाइयों के चलते विशेष रूप से सीधे सोया-कृषकों तक पहुँच कर सम्बंधित किस्मों के प्रजनकों तथा संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा जानकारी के साथ-साथ कृषकों के प्रश्नों, शंकाओं एवं सुझावों का लाइव निराकरण किया गया. इस अवसर पर संस्थान के प्रजनक डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. विनीत कुमार, डॉ अनीता रानी के साथ डॉ बी.यू.दुपारे द्वारा प्रत्यक्ष प्रदर्शन प्लाट पर उन किस्मों के पौधे दिखाकर वैज्ञानिक चर्चा की गई एवं इस वर्चुअल विजिट के सजीव प्रसारण में उपस्थान लगभग 750 कृषकों को सम्बंधित जानकारी दी गई. इस सम्पूर्ण लाइव प्रसारण कार्यक्रम के आयोजन एवं समन्वयन भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान के डॉ. बी.यू. दुपारे, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि विस्तार) व डॉ. सविता कोल्हे, प्रधान वैज्ञानिक (संगणक अनुप्रयोग) द्वारा किया गया